पारस विद्या योजना
श्री सम्मेद शिखरजी विकास समिति

पारस विद्या योजना (परियोजना) – यह एक ऐसा नाम है जो परिचय का मोहताज नही है, शिखरजी के आस पास के लगभग 10 से 12 किलोमीटर तक के गॉवों में परियोजना का कार्य फैला हुआ है। **परियोजना अर्थात शिक्षा एंव रोजगार।**

वर्ष 2022 में पारस विद्या योजना को प्रारभ करने का निर्णय लिया जिसमें प्रारम्भिक स्तर पर 4 गॉव 1. विरनगड्डा 2. सिंहपुर 3. बगदाह 4. जयनगर निर्धारित किया था। वर्तमान में मधुबन पंचायत एवं इसके आस पास के गॉवों में संचालित 33 विद्यालयों में 43 शिक्षकों की नियुक्ति किया गया है। सिखो सिखावों श्रृखला के तहत बेबनार के द्वारा ग्रामीण युवक युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। अब तक पारस–1 में 25 पारस–2 में 35 पारस–3 में 42 एंव पारस–4 में 32 लोगो को प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें से पारस–1 से पारस–4 तक के प्रशिक्षण प्राप्त लोगो में से 43 शिक्षक शिक्षिकाओं को नियुक्त कर 33 विद्यालयों में शिक्षक का कार्य किया जा रहा हैं। प्रशिक्षण प्राप्त नियुक्त शिक्षको के द्वारा विद्यालयों में नये तरिके से पढ़ाया जा रहा है जिससे बच्चे जल्द ही सिख रहे है। हमारा लक्ष्य है मधुबन के आस पास के 50 विद्यालयों में शिक्षण कार्य करना। जिसमें से लगभग 33 विद्यालय तक पहुॅचने में हम सफल हो पाये है। विद्यालय में पठन पाठन कार्य सुचारू रूप से चले इसके लिये समिति के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त प्रवेक्षक कि नियुक्ति की गई जो सभी विद्यालय में नियमित रूप से जाकर देखते है की शिक्षकों द्वारा कार्य कैसे चल रहा है ओर इसकी जानकारी प्रतिदिन कार्यलय को देते है।

परियोजना की ओर से मधुबन तथा आस पास के क्षेत्र के पढ़े लिये युवक युवतियों को सिखो सिखाओ श्रृंखला के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक लगभग 150 लोगों को प्रशिक्षण दिया

गया। जिसके लिये अलग अलग ग्रुप बनाया गया है प्रशिक्षण के दौरान तथा प्रशिक्षण प्राप्त के पश्चात लोगो के जीवन में काफी बदलाव आया है आज वे सभी लोग प्रातः 05 बजे उठकर प्रतिदिन नियमित रूप से योगा करना एंव योगा करते हुऐ फोटो ग्रुप में साझा करने का कार्यक्रम चल रहा है, लोगो से मिलने का, बात करने का तथा कार्य करने का तरीका बदल गया है। प्रति दिन का पठन पाठन के कार्य को विधिवत सुचारू रखने के लिये प्रशिक्षण प्राप्त विनय कुमार महतो को परियोजना प्रवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है जो प्रतिदिन सभी विद्यालयों को निरिक्षण करने का कार्य करते है जिससे कि विद्यालय सुचारू रुप से चलता रहे। प्रशिक्षण के पश्चात समिति के अध्यक्ष श्री विजय जैन की द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त लोगो को सर्टिफिकेट एंव ज्ञानवर्धक पुस्तक देकर सम्मानित किया जाता है।

मधुबन पंचायत एंव इसके आस पास के अन्य 50 विद्यालयो में गुणवता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिये हम प्रयासरत है और कदम आगे की ओर बढ़ाते हुऐ उन विद्यालयो के प्रधानाध्यपको, गॉव के प्रधान एंव समाज के प्रबुद्ध लोगों एंव गॉव के लगभग युवक युवतियों के साथ संस्था के अध्यक्ष श्री विजय जैन, महामंत्री श्री जवाहर लाल जैन, समाज सेवी श्री कैलाश अग्रवाल के साथ समय समय पर विचार विमर्श किया जाता है। स्थानीय मूल भाषा की पढ़ाई विधिवत हो इसके उसपर भी विचार किया गया, चुंकी पारसनाथ मधुबन आदिवासी बाहुल क्षेत्र है जहॉ संथाली भाषा की पढ़ाई स्कुलों में नही हो रही है परिणाम स्वरूप आने वाले कुछ सालों में संथाली भाषा कहीं लुप्त न हो जाये इसी हो ध्यान में रखते हुऐ परियोजना की और से संथाली भाषा के शिक्षक की नियुक्ति किया गया।

11 फरवरी 2024 को कार्यरत 34 शिक्षक शिक्षिकाओं एंव 17 प्रशिक्षण प्राप्त चयनित शिक्षको का मुल्यांकन (परीक्षा) का आयोजन उत्तर प्रकाश प्रकाश भवन के सभगार में आयेजित किया गया। सभी शिक्षकों को अहमदाबाद के अनुभवी शिक्षिका पीनाक्षी बड़ोदिया के द्वारा सतत् प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि वे विद्यालयो में गुणवता पूर्ण शिक्षा बच्चो का दिया जा सके।

खेल कूद– बच्चों के मानसिक विकास के लिये जितनी आवयश्कता पढ़ाई का उतनी ही आवयश्कता खेल कूद का भी है। खेलकूद से बच्चों का शारीरिक विकास तेजी से होता है साथ ही बच्चे विद्यालय भी नियमित आते है इसी का घ्यान में रखते हुऐ सभी विद्याालयों में खेल कूद की सामग्री दी गई है जिसे बच्चे उत्साहपूर्वक प्रतिदिन खेलते है।

योगा, आर्ट एवं क्राफ्ट – परियोजना के माध्यम से बेहतर शिक्षा के साथ साथ अन्य प्रकार की गतिविधियों के लिए शिक्षकों को योगा आर्ट एण्ड क्राफ्ट तथा पेन्टिंग के प्रशिक्षण भी दिलाये जाते है जिससे वह छात्रों को सही तरीके से गतिविधियॉ सिखा सके। प्रशिक्षण प्राप्त सभी शिक्षक के दिन की शुरुवात योगाभ्यास के साथ होती है। 29 जून 2024 को श्री सम्मेद शिखरजी विकास समिति के वार्षिक बैठक समारोह में विभिन्न विद्यालयों से छोटे–छोटे बच्चों द्वारा आर्ट एंव क्राफ्ट एंव पेन्टींग का लाईव प्रर्दशनी किया गया जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक अनेको प्रकार के कला का प्रदर्शन किया जिसका देश के कोने कोने से पधारे प्रबुद्ध लोगो ने सराहना की और बच्चें को पारितोषीत भी दिया। इन सभी का श्रेय उन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं को जाता है, जिन्होने हॉबी के क्लास में आर्ट एण्ड क्राफ्ट तथा पेन्टिंग के प्रशिक्षण प्रात कर विद्यालय के बच्चों को सिखाया। बच्चों में प्रतिभा भरी हुई है जरूरत है उन्हे एक अच्छे प्लेटफार्म देने की। जिससे उनकी प्रतिभा सामने

निखर कर आवें। हम प्रयासरत है और इस दिखा में निरन्तर आगे कदम बढ़ाते हुए उन विद्यालयों के प्राधानाध्यापक, गॉव के प्रधान, समाज के प्रबुद्ध लोगों एवं गॉव के युवक युवतियों के साथ संस्था के पदाधिकारियों एवं समाज सेवियों के साथ समय समय पर विचार विमर्श किया जाता है।

सिलाई परियोजना – परियोजना ने गॉवो में शत प्रतिशत महिला स्वरोजगार लक्ष्य निर्धारित किया जिसके तहत में बगदाहा गॉव में सिलाई सेन्टर प्रारम्भ किया गया है जिसमें 25 महिला को सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। जिससे की उनके जीवन–यापन का साधन मिल सके। संस्था के पदाधिकारियों ने सिलाई सेन्टर का भ्रमण किया वहॉ पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने बताया की हमें बहुत खुशी है की परियोजना के द्वारा इस प्रकार के प्रशिक्षण दिलाकर हम लोगों के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है, हमलोगों को पहले हर छोटी बड़ी कपड़े सिलवाने के लिये दूर जाना पड़ता था, अब हमें कहीं दूर नही जाना पडेगा, स्वंय कपड़े सिल सकते हैं और दूसरो के कपड़े सिलकर पैसे भी कमा सकते है ।

कृषी– इस सम्बंध में परियोजना के द्वारा कृषी विशेषज्ञ के द्वारा गॉव में विजीट करवाया गया तथा उनके मार्गदर्शन में नये तरिके से बागवानी करने का सुक्षाव गॉव के लोगों को दिया गया जिससे की उनकी आर्थिक स्थिति और भी मजबूत हो।

संस्था इन गॉवो के स्थायी विकास तथा कमजोर वर्ग के निवासियों के गौरव तथा सम्मान सहित पूर्ण विकास के लिये दृढ़ संकल्पित है। संस्था प्रेरक की भूमिका सभी को भागीदारी से निभाने के लिये कार्य कर रही है। सबका साथ सबका विकास महिला सशक्तिकरण, जागरूकता नेतृत्व विकास तथा ग्रामों को स्मार्ट बनाने के लिये प्रयत्नशील है।

शिक्षा दान महादान – समाज से निवेदन है कि आप हमारी योजना में अपना सहयोग दे जिससे कि हम बच्चों का बेहतर शिक्षा देने के कार्य को और मजबूती से कर सकें। आपका सहयोग बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

। भिक्षा नही शिक्षा दो।